



Discover Your Permanent Happiness (3rd April Onwards) (ISKCON, Dwarka)

The seven days seminar on "Discover Your Permanent Happiness" was conducted from 3rd April onwards every weekend. The seminar is being delivered by H.G. Prashant Mukund Prabhu (B.Sc. Industrial Chemistry, MBA (Symbiosis), DPS London School of Management). Each seminar is designed specifically to answer all queries regarding the supreme personality of Godhead and our own existence. The first two session answers where true happiness lies and the existence of god. Third and fourth session answers about our real identity and knowledge about the soul. The last session is titled "yoga for the modern age". In addition to this, counselling is also being given for the modern day's biggest problems like drug abuse, gambling, suicide and others. The whole session is being held on online platform ZOOM.





अपने स्थायी आनंद की खोज (3 अप्रैल से...) (इस्कॉन, द्वारका)

"अपने स्थायी आनंद की खोज" पर सात दिनों की संगोष्ठी 3 अप्रैल से प्रत्येक सप्ताहांत में आयोजित की गई। संगोष्ठी श्रीमान प्रशांत मुकुंद प्रभु (बी.एस.सी औद्योगिक रासायनिकी, एम.बी.ए सिम्बॉयसिस, डीपीएस लंदन प्रबंधन विद्यालय) द्वारा दी गई। प्रत्येक संगोष्ठी को विशेष रूप से परम् भगवान् एवं हमारे स्वयं के अस्तित्व के विषय में सभी प्रश्नों का उत्तर देने हेतु निर्मित किया गया था। पहले दो सत्र "सच्चा आनंद किसमें निहित है" और "भगवान् का अस्तित्व के विषय में बताते हैं। तीसरा और चौथा सत्र "हमारी वास्तविक पहचान और आत्मा" के विषय में ज्ञान प्रदान करते हैं। अंतिम सत्र का शीर्षक "आधुनिक युग के लिए योग" है। इसके अतिरिक्त, आधुनिक समय की सबसे बड़ी समस्याओं जैसे नशाखोरी, जुआ, आत्महत्या एवं अन्य हेतु परामर्श भी दिया गया । पूरा सत्र ऑनलाइन मंच जूम पर आयोजित किया गया।

श्रीमद् भगवद् गीता पाठ्यक्रम से वैज्ञानिक और व्यावहारिक सिद्धांत (4 अप्रैल से..)

(आध्यात्मिकता एवं विज्ञान संस्थान, इस्कॉन ईस्ट ऑफ कैलाश)

आध्यात्मिकता एवं विज्ञान संस्थान (आईएसएस) ने वैदिक साहित्य में उपस्थित वैज्ञानिक ज्ञान का प्रसार करने की अपनी भावना को अविच्छिन्न रखते हुए मार्च के अंत तक, श्रीमान ज्योतिरंजन बेउरिया द्वारा, दो बहुत ही विचारोत्तेजक व्याख्यान शीर्षकों 'सामान्य भाषा एवं स्वरूप' तथा 'एकता और अंतर की साथ—साथ अवधारणा' की व्यवस्था की। प्रथम सत्र में डॉ. बेउरिया, हमारी सामान्य इंद्रियों की भूमिका एवं स्वरूप की प्रकृति को आधुनिक वैज्ञानिक उपलब्धियों के प्रकाश में सामने लाये। दूसरे सत्र में उन्होंने असाधारण एवं तात्विक जगत के विषय में वार्ता की तथा मौलिक वास्तविकता किस प्रकार धारणा से भिन्न होनी चाहिए क्योंकि इसमें परिवर्तन नहीं होता। अप्रैल का आरंभ आईएसएस द्वारा एक नवीन पहल के रूप में सात दिवसीय पाठ्यक्रम के साथ हुआ, जिसका शीर्षक 'श्रीमद् भगवद् गीता पाठ्यक्रम से वैज्ञानिक और व्यवहारिक सिद्धांत रहा। 04 / 04 / 2021 को, ई. प्रवीण कुमार जी द्वारा आयोजित प्रथम सत्र, "श्रीमद् भगवद् गीता के विषयगत अवलोकन' विषय पर था। उन्होंने

Scientific and Practical Principles from Bhagavad Gita Course (4th April onwards) (Institute for Science and Spirituality, ISKCON East of Kailash)

Institute for science and spirituality (ISS) continued with its spirit of disseminating scientific knowledge present in Vedic literature by arranging two very thought provoking lectures entitled 'Form and Ordinary Language' and 'Conceiving oneness and difference simultaneously' by Dr. Jyotiranjan Beuria towards the end of March. In the first session Dr. Beuria brought forth the nature of form and the role of our ordinary senses in light of modern scientific achievements. In the second session he talked about the phenomenal and noumenal world and how the fundamental reality should be different from perception as it should not be subjected to change. The month of April began with a new initiative by ISS in the form of a seven-session course entitled 'Scientific and Practical Principles from Bhagavad Gita'. The first session held on 04/04/2021 was on the topic 'Thematic Overview of Bhagvad Gita' by Er. Praveen Kumar. He gave scientific and archaeological evidence about the history of Mahabharata and Bhagavad Gita. The content present in Bhagvad gita was clearly spelt out. The speaker emphasized on reading authorized commentaries on Bhagvad Gita and encouraged the audience to apply the principles of Bhagavad gita in day to day life and further ensured everyone with positive outcomes. Next session on 11/04/2021 was by Prof. Laxmidhar Behera from IIT Kanpur on the topic 'Levels of Consciousness'. Prof. Behra deliberated on this topic from a scientific perspective. He brought forth the fact that there is nothing except consciousness all around us. Gross and subtle levels of consciousness that make up both eternal and temporary worlds were discussed in the context of Bhagavad Gita.

Meanwhile the IIT Delhi chapter of ISS is regularly conducting Bhagavad Gita online classes in Science, Spirituality and Sustainability group on Facebook every Friday evening for the benefit of its members. The membership of the group is about 250 in number. In the by gone week, verses 19-20 of chapter 16 dealing with the characteristics of demoniac natures were discussed.

Prasadam service for covid patients (10th April onwards) (ISKCON, Dwarka)

ISKCON Dwarka following the path of all the Vaishnavas





महाभारत और श्रीमद् भगवद् गीता के इतिहास के विषय में वैज्ञानिक और पुरातात्विक साक्ष्य प्रस्तुत किए। श्रीमद् भगवद् गीता में प्रस्तुत सामग्री को स्पष्ट रूप से लिखा गया था। वक्ता ने श्रीमद् भगवद् गीता की अधिकृत टीकाओं के अध्ययन पर बल दिया एवं श्रोताओं को दैनिक जीवन में श्रीमद् भगवद् गीता के सिद्धांतों को लागू करने हेतु प्रोत्साहित किया और भविष्य में भी सभी हेतु सकारात्मक परिणामों को सुनिश्चित किया। 11/04/2021 को अगला सत्र "चेतना के स्तर" विषय पर आई आई टी कानपुर से प्रो. लक्ष्मीधर बेहरा द्वारा दिया गया। प्रोफेसर ने वैज्ञानिक दृष्टिकोण से इस विषय पर विचार–विमर्श किया। वे इस तथ्य को सामने लाये कि हमारे चहुँ ओर चेतना के अतिरिक्त कुछ भी नहीं है। स्थूल एवं सूक्ष्म स्तर की चेतना जो चिरंतन और अस्थायी दौनों प्रकार के जगत की संरचना करती है, की भगवदगीता के संदर्भ में वार्ता की गई।

इस मध्य आईएसएस की आईआईटी दिल्ली शाखा अपने सदस्यों के लाभ हेतु, प्रत्येक शुक्रवार संध्या फेसबुक पर विज्ञान, अध्यात्म एवं स्थिरता समूह में श्रीमद् भगवद् गीता की ऑनलाइन कक्षाओं का नियमित रूप से संचालन कर रहा है। इस समूह की सदस्यता संख्या लगभग 250 है। विगत सप्ताह इसमें, अध्याय 16 के श्लोक 19–20 में आसुरी स्वभाव के लक्षणों की वार्ता की गई थी।

कोविड रोगियों हेतु प्रसादम सेवा (10 अप्रैल से...) (इस्कॉन, द्वारका)

परम पूज्य गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज जी की प्रेरणा से तथा सभी वैष्णवों के मार्ग का अनुशरण करते हुए इस्कॉन द्वारका भी कोविड रोगियों को प्रसाद पहुँचा कर उनकी सेवा कर रहा है। श्री श्री रुक्मिणी द्वारिकाधीश जी के भक्तों द्वारा कृष्ण में निष्ठा एवं बिना किसी भेदभाव के सच्ची सेवा भावना वास्तव में अनुकरणीय है। and under the inspiration of H.H. Gopal Krishna Goswami Maharaj are serving and delivering prasadam to the COVID positive patients also. The true service attitude without any discrimination and faith in Krishna has truly been exemplified by devotees of Sri Sri Rukmini Dwarkadhish.

Harinama in the Market (11th April) (ISKCON, Rohini)

In the times of surging cases of Covid, the resident monks held a Harinama Sankirtan on the dividing road of Sec-7 & Sec-8, Rohini in the evening. H.G. Madhurapati Das & H.G. Karuna Nitai Das and Russian devotees staying at the temple for quite some time led the melodious kirtan on the roads & streets. Devotees could distribute Srila Prabhupada's books worth 5000/- on the day for the pleasure of Srila Prabhupada and for uplifting the dampened spirits of general people.

ISKCON serving Humanity amidst COVID-19 (ISKCON, Dwarka)

As the whole world is suffering and trying to fight out the COVID-19, ISKCON has become the beacon of hope. The Centre of Permanent Happiness have distributed more than 3 crore meals and still counting during this ongoing pandemic and has been the front runners in COVID relief across India. Seeing the recent surge in COVID-19 cases, the prasadam distribution has also been amplified. "Shravan Kumar Seva" from ISKCON Dwarka is continuously serving the most affected people which involves old age people and pregnant women. All of them, without any discrimination, are being provided with the best nutritious sanctified food and Krishna's mercy.

Change of Baton (April 13) (ISKCON, Punjabi Bagh)

H.H. Gopal Krsna Goswami Maharaja announced the change in management responsibilities for the Punjabi Bagh Temple. Maharaja announced that the current president, H.G. Rukmini Krsna Prabhu will now serve in the capacity of Regional Secretary wherein he will be travelling to various temples in North India to take care of devotees. H.G. Murali Krishna Das has been appointed the new temple copresident with H.G. Varaha Das. H.G. Murali Krishna Das – the newly appointed temple president has an experience of more than 25 years in Krishna Consciousness. The President will now be assisted by a team of 4 Vice Presidents – H.G. Karuna Candra Das (Director for donations and donor care), H.G. Visnu Vahan Das (General Manager), H.G. Vaikuntha Vraj Das (Director, ISKCON Youth Forum), and H.G. Sundar Krishna Das (Overall Coordinator-Congregation preaching).

Counselling Sessions (ISKCON, Dwarka)

Amidst the pandemic, subtle problems are emerging among the working class and students. Many thoughts, emotions are lingering around the mind regarding future, which are making uncomfortable situations. To overcome the stress felt by many youths across the city during the pandemic ISKCON Dwarka is continuously organizing meditation sessions and mental health counselling.

नगर में हरिनाम संकीर्तन (11 अप्रैल) (इस्कॉन, रोहिणी)

कोविड काल में बढ़ते प्रकरणों के मध्य, मंदिर के निवासी भक्तों ने रोहिणी के सैक्टर 7–8 के मध्य मार्ग पर संध्या काल में एक हरिनाम संकीर्तन का आयोजन किया। श्रीमान मथुरापति प्रभु एवं श्रीमान करुणा निताई प्रभु तथा रूसी भक्तगण कुछ समय तक मंदिर में रहे और सड़कों तथा गलियों में मधुर हरिनाम संकीर्तन का नेतृत्व किया। इस दिन भक्तों ने श्रील प्रभुपाद की प्रसन्नता एवं हतोत्साहित जन साधारण की आत्माओं के उत्थान हेतु लगभग 5000 / – रूपए मूल्य की श्रील प्रभुपाद की पुस्तकों का वितरण भी किया।



कोविड—19 के मध्य इस्कॉन द्वारा मानवता की सेवा (इस्कॉन, द्वारका)

जबकि सारा संसार कोविड से पीड़ित है और इससे लड़ने का प्रयास कर रहा है, ऐसे में इस्कॉन आशा की किरण बनके उभरा है। नित्य–आनंद के केंद्र इस्कॉन द्वारका ने इस महामारी के मध्य 3 करोड़ से अधिक भोजन वितरित किए हैं और अभी भी गणना बढ़ती जा रही है और निरंतर बढ़ती महामारी के मध्य भारत भर में कोविड राहत में अग्रणी रहे हैं। कोविड प्रकरणों में आए निकटवर्ती उछाल को देखते हुए, प्रसादम वितरण को भी बढ़ाया गया है। इस्कॉन द्वारका से "श्रवण कुमार सेवा" द्वारा सबसे अधिक प्रभावित लोगों की निरंतर सेवा की जा रही है जिसमें वृद्धजन एवं गर्भवती महिलाएं शामिल हैं। उन सभी को, बिना किसी भेदभाव के, सर्वोत्कृष्ट पौष्टिक एवं पवित्र भोजन तथा कृष्ण कृपा प्रदान की जा रही है।

दायित्व परिवर्तन (13 अप्रैल) (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

परम पूज्य गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज ने पंजाबी बाग मंदिर हेतु प्रबंधन दायित्वों में परिवर्तन की घोषणा की। महाराज ने घोषणा की कि वर्तमान अध्यक्ष, श्रीमान रुक्मिणी कृष्ण प्रभु अब क्षेत्रीय सचिव की भूमिका में कार्यरत होंगे, जिसमें वे उत्तर भारत के विभिन्न मंदिरों में भक्तों की देख रेख एवं आध्यात्मिक उन्नति हेतु यात्रा करेंगे। श्रीमान मुरली कृष्ण प्रभु को श्रीमान वराह प्रभु के साथ मंदिर का नया सह–अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। श्रीमान मुरली कृष्ण प्रभु – नव नियुक्त मंदिर अध्यक्ष को कृष्ण भावनामृत में 25 से अधिक वर्षों का अनुभव है। अब अध्यक्ष को 4 उपाध्यक्षों के एक समूह द्वारा सहायता प्रदान की जाएगी – श्रीमान करुणा चंद्र प्रभु (दान एवं दान दाताओं की देख–रेख हेतु निदेशक), श्रीमान विष्णु वाहन प्रभु (महाप्रबंधक), श्रीमान वैकुंठ व्रज प्रभु (निदेशक, इस्कॉन युवा मंच), और श्रीमान सुंदर कृष्ण प्रभु (भक्तमंडली प्रचार संघ –सकल समन्वयक)।

Monthly **NEWSLETTER** of ISKCON Delhi-NCR



🖤 Beginning of Tulasi Jaladana (14th April)

The scriptures lay emphasis on service to a devotee being the most potent means to accelerate our progress on the spiritual path. A pure devotee of the Lord and his mercy have unimaginable effects on a sadhaka. Exalted devotees have sung glories of service rendered to a pure devotee and how it can catapult one on to an elevated platform of bhakti. The Vedas are replete with examples of people who perfected their lives, by this process. Tulasi Jala Dana is a festival which provides an opportunity to serve the most exalted devotee of the Lord; Srimati Tulasi Devi. Offering of water to Tulasi, for a period of one month of Jyestha, produces miraculous effects on a devotee.

Rama Katha and Ramayana Crossword (14th April) (ISKCON, Punjabi Bagh)

Like every year, every evening Rama Katha was held in the temple hall and presided by many seasoned devotees. Along with Rama Katha, ISKCON Punjabi Bagh's Facebook Page also hosted a daily Crossword Quiz from the different Kandas of the Ramayana for 7 days leading up to Rama Navami.

Rama Navami Mahotsava (18th -21st April) (ISKCON, Dwarka)

Due to recent surge in COVID-19 cases, temple authority shifted all Rama Navami celebrations to the online platform. Senior devotees filled the heart of devotees with Rama Katha. The key teachings involved qualities of devotees in Ramayana which attracts the Lord mercy. Hundreds of devotees turned up on ISKCON Dwarka YouTube channel.

Rama Navami (21st April) (ISKCON, East of Kailash)

Rama means the giver of pleasure. In His incarnation as Lord Rama, the Lord enacted pastimes to teach the ideal social behaviour, which ensures spiritual progress. Lord Rama annihilated Ravana, and established the principles of duty and dharma, that remain a benchmark even till this date. Rama rajya is a paradigm which exemplifies spiritual welfare and material comfort for all, an ever-elusive proposition in

🌳 परामर्श सत्र (इस्कॉन, द्वारका)

महामारी के मध्य, श्रमिक वर्ग एवं छात्रों में सूक्ष्म समस्याएं उभर रही हैं। कई विचार, भावनाएं भविष्य के विषय में मन में उमड़ रही हैं, जो असहज स्थिति निर्मित कर रही हैं। महामारी के मध्य नगर भर में कई युवाओं द्वारा अनुभव किए गए तनाव से उभरने को इस्कॉन द्वारका द्वारा निरंतर मानसिक स्वास्थ्य परामर्श तथा जप एवं ध्यान सत्रों का आयोजन किया जा रहा है।

🌳 तुलसी जलदान का आरंभ (14 अप्रैल)

आध्यात्मिक पथ पर हमारी प्रगति में वृद्धि लाने हेतु शास्त्र भक्तों की सेवा पर बल देते हैं। भगवान् के शुद्ध भक्त एवं उनकी दया एक साधक पर अकल्पनीय प्रभाव डालते हैं। कैसे यह आपको भक्ति के ऊंचे पायदान पर तीव्रता से उन्नत कर सकती है और शुद्ध भक्त को प्रदान की गई सेवा की महिमा उन्नत भक्तों ने भी गायी है। वेद उन लोगों के उदाहरणों से परिपूर्ण हैं जिन्होंने इस विधि द्वारा अपने जीवन को पूर्ण किया है। तुलसी जल दान एक त्योहार है जो भगवान् की सबसे महान भक्त ; श्रीमति तुलसी देवी की सेवा करने का अवसर प्रदान करता है। ज्येष्ठ के एक महीने की अवधि हेतु तुलसी जी को जल अर्पित करना, हमारी आध्यात्मिकता पर चमत्कारी प्रभाव उत्पन्न करता है।

रामकथा और रामायण शब्दवर्ग पहेलियाँ (14 अप्रैल) (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

प्रतिवर्ष की भाँती, प्रति सँध्या मंदिर कक्ष में राम कथा आयोजित की गई एवं कई अनुभवी भक्तों की अध्यक्षता में राम कथा के साथ ही, इस्कॉन पंजाबी बाग के फेसबुक पेज ने भी रामायण के विभिन्न कांडों से 7 दिनों तक राम नवमी तक चलने वाले दैनिक शब्दवर्ग पहेली का आयोजन किया।



राम नवमी महोत्सव (18–21 अप्रैल) (इस्कॉन, द्वारका)

कोविड प्रकरणों में निकट समय में आए उछाल के कारण, मंदिर





Link: www.youtube.com/iskcondwark

the modern world. People still yearn for Rama rajya which is unattainable without embracing the principles that Lord Rama stood for. Rama rajya is not possible without Rama and without His bhakti. In the role of the archetypal King, Lord Rama displays how ideal behaviour, social welfare, real peace are all impossible without ensconcing the bhakti of Lord Rama.

The appearance day of Lord Rama, Rama Navami was celebrated with abhishek of Sri Sri Sita-Rama-Laksmana-Hanumana. Due to the pandemic, amidst strict protocols, a limited number of devotees were present for this ceremony. However, uncountable attained live darshans and the benefit of witnessing the abhishek, online. Since this day is also the 23rd anniversary of inauguration of Sri Sri Radha Parthasarathi Temple, East of Kailash, it is celebrated with added fervour and zeal. The day started with a Bhagavatam class on the glories of Lord Rama by H.H. Gopal Krishna Goswami Maharaja followed by remembrances by senior devotees who were present during the construction phase of this temple. Devotees also immersed themselves in daily online Rama katha by His Grace Jitamitra Prabhuji. Beautiful darshans of the deities, breath-taking decorations, transcendental chants, kirtan and dancing devotees, are a part of the festivities. Sumptuous Ekadashi feast was distributed after the abhishek. Devotees prayed for the health and welfare of the world, amidst this difficult time of a pandemic. Rama Navami festival was celebrated with a prayer that the world soon realises the glories of the names of the Lord, which are the only medium to escape the miseries of this material creation.

Courses for IYF and Congregation (ISKCON, Punjabi Bagh)

Two live workshop and courses were organized – Upakurva Brahmachari training to IYF devotees and the Vaisnava Sadachar course for Congregation members. Both courses were well received and saw healthy participation. प्रबंधन ने राम नवमी समारोह के समस्त कार्यक्रम को ऑनलाइन मंच पर स्थानांतरित कर दिया। वरिष्ठ भक्तों ने राम कथा से भक्तों का मन तृप्त कर दिया। रामायण की प्रमुख शिक्षाओं में भक्तों के गुण शामिल हैं जो भगवान् की कृपा को आकर्षित करते हैं। इस्कॉन द्वारका यूट्यूब चैनल पर सैकड़ों भक्तों ने अपनी उपस्थिति दी।

राम नवमी (21 अप्रैल) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

राम का अर्थ है आनंद प्रदान करने वाले। भगवान् राम के अपने अवतार में, भगवान् ने आदर्श सामाजिक व्यवहार को सिखाने हेतु लीलाओं का मंचन किया, जो हमारी आध्यात्मिक प्रगति सुनिश्चित करता है। भगवान् राम ने रावण का सर्वनाश किया तथा कर्तव्य एवं धर्म के सिद्धांतों की स्थापना की, जो आज तक एक मापदंड के रूप में स्थापित हैं। रामराज्य एक ऐसा प्रतिमान है, जो आधुनिक जगत में सभी के लिए भौतिक सुख एवं आध्यात्मिक कल्याण का सदा अप्राप्य–प्रस्ताव प्रस्तुत करता है। लोग अभी भी राम राज्य के लिए उत्सुक हैं जो कि उन सिद्धांतों को स्वीकार किए बिना अप्राप्य है जो भगवान् राम ने प्रस्तुत किए। राम और उनकी भक्ति के बिना रामराज्य संभव नहीं है। सशक्त प्रशासक की भूमिका में, भगवान् राम प्रदर्शित करते हैं कि कैसे भगवान् राम की भक्ति किए बिना आदर्श व्यवहार, सामाजिक कल्याण, वास्तविक शांति आदि सभी असंभव हैं।

भगवान् श्री राम का प्राकट्य दिवस राम नवमी, श्री श्री सीता--राम--लक्ष्मण--हनुमान जी के अभिषेक के साथ मनाया गया। कड़े प्रोटोकॉल के मध्य, इस समारोह हेतु सीमित संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। यद्यपि, अनगिनत भक्तों ने सजीव प्रसारण के दर्शन और अभिषेक के साक्षी होने का लाभ प्राप्त किया। चूँकि यह दिन श्री श्री राधा पार्थसारथी मंदिर ईस्ट ऑफ कैलाश के उद्घाटन की 23 वीं वर्षगांठ के रूप में मनाया जाता है, यह अतिरिक्त उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। दिन का शुभारंभ, परम पूज्य गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज द्वारा भागवतम् कक्षा में भगवान् श्री राम के गुणानुवादन के साथ हुआ, जिसके बाद इस मंदिर के निर्माणकाल में उपस्थित वरिष्ठ भक्तों ने अपनी स्मृतियों को साझा किया।

भक्तों ने भी स्वयं को, श्रीमान जितामित्र प्रभुजी द्वारा दैनिक रूप से की जा रही राम कथा में डुबो लिया। विग्रहों के सुंदर दर्शन, आकर्षक सजावट, दिव्य मंत्र जाप, कीर्तन और नृत्य करने वाले भक्त भी उत्सव का एक भाग हैं। अभिषेक के उपरांत भव्य एकादशी भोज प्रसादम का वितरण किया गया। महामारी के इस कठिन काल में, भक्तों ने सारे संसार के स्वास्थ्य और कल्याण हेतु प्रार्थना की। राम नवमी का त्यौहार एक प्रार्थना के साथ मनाया गया कि संसार शीघ्र ही हरिनाम की महिमा का अनुभव करे, जो इस भौतिक श्रष्टि के दुखों से बचने का एकमात्र साधन हैं।

आई वाई एफ एवं ग्रहस्थ भक्त मंडली हेतु पाठ्यक्रम (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

दो सजीव प्रसारित कार्यशालाओं और पाठ्यक्रमों का आयोजन किया गया – आई वाई एफ़ भक्तों को "उपकर्म ब्रह्मचारी प्रशिक्षण" एवं ग्रहस्थ भक्त मंडली के सदस्यों हेतु "वैष्णव सदाचार" पाठ्यक्रम। दौनों पाठ्यक्रमों को भली भाँति ग्रहण किया गया एवं स्वस्थ भागीदारी देखी गई।



SRILA PRABHUPADA BIRTH ANNIVERSARY — 1896-2021 — WHAT'S SO SPECIAL ABOUT SRILA PRABHUPADA ?

His Unparalleled Achievements

- In 1965, at seventy years of age, he ventured outside India for the first time to fulfill the order of his spiritual master. During his voyage at sea, he suffered two severe heart attacks. He reached the shores of America with the equivalent of seven dollars to his name.
- He founded the International Society for Kṛṣṇa Consciousness with a small group of disciples, after a year of struggling alone in New York City. This marked the only time in history that a Kṛṣṇa devotee successfully trained non-Indians in the strict disciplines of Vaiṣṇavism. Amazingly, this was achieved during the blossoming of America's hedonistic counterculture movement.
- He sent his followers, chanting the names of God, into the streets of cities and towns everywhere and "Hare Kṛṣṇa" became famous in every corner of the earth.
- He sent his disciples to London, where they recorded the single, "Hare Kṛṣṇa Mantra", with George Harrison, in 1969. It became the fastest selling of all the Apple Corporation's releases, including those of the Beatles. The record reached No.
 3 in Czechoslovakia, No. 9 in Britain, and made the top ten in Germany, Japan, Australia, South Africa, Yugoslavia, and many other countries.
- He formally initiated approximately five thousand

disciples. These initiates represented a sweeping diversity of nationalities, races, ethnicities, and religious backgrounds.

- He established 108 Kṛṣṇa temples on six continents, installed the deity of Kṛṣṇa in each center and trained his disciples in the process of deity worship. Thirtytwo new temples (almost three a month) were opened in a single year, between 1970 and 1971.
- He inaugurated the Rathayatra Festival of Lord Jagannātha in major cities around the globe, in effect, bringing the temple to the people.
- He instructed his disciples in 1967 to start an incense business to provide financial support for the temples. Within four years the business, Spiritual Sky Incense, generated an annual revenue of one million dollars.
- He introduced the "Sunday Love Feast" and other prasādam distribution programs that provided millions of free meals to the public.
- He created the world's first chain of vegetarian restaurants.
- He spoke daily on the philosophy of Kṛṣṇa consciousness, delivering thousands of formal lectures. Over 2,200 were recorded and archived.
- He conducted many hundreds of informal conversations on the science of Kṛṣṇa consciousness with disciples, guests and friends. Over 1,300 were recorded and archived.
- He had scores of interviews and philosophical discussions with news reporters, scientists, religious leaders and politicians, as well as meetings with worldrenowned dignitaries and celebrities like Indira Gandhi, Allen Ginsberg, Ravi Shankar,

Monthly **NEWSLETTER** of ISKCON Delhi-NCR



Alice Coltrane, John Lennon and George Harrison.

- He recorded more than twenty albums of devotional music.
- He published the monthly magazine, Back to Godhead, which he called the backbone of his movement. At the height of its circulation in the mid-seventies, over a million copies per issue were sold.
- He launched the ISKCON Life Membership Program that enrolled tens of thousands of members.
- He built major temples in Bombay and Vrindavana, and founded a spiritual city at Māyāpur. All became international sites of pilgrimage.
- He established primary schools to provide education in the principles of devotional service.
- He founded the Bhaktivedanta Institute to advance Kṛṣṇa consciousness within the scientific community, engaging serious academics in the consideration of the science of self-realization.
- He formed the Bhaktivedanta Swami Charity Trust to unearth and renovate the holy places of Lord Caitanya's pastimes.

- He set up farm communities to teach "simple living and high thinking", emphasizing cow protection and dependence on God and nature.
- He commissioned his artist disciples to produce hundreds of illustrations of Kṛṣṇa's pastimes based on his meticulous instructions and the descriptions in his books.
- He directed some of his followers to learn the Indian art of "doll making" to present Vedic philosophy through dioramas. This project became the FATE Museum.
- He counseled his disciples on complex managerial, philosophical and personal issues in more than 6,000 archived letters.
- He was the subject of more than 30,000 archival photos and more than seventy hours of documentary film footage.
- He wrote approximately seventy books on the science of Krsna consciousness, sleeping only a few hours per day. Dozens of prominent scholars and educators from leading universities praised his work. The Encyclopaedia proclaimed that Britannica his voluminous translations from the original Sanskrit and his lucid commentaries "have astounded literary and academic communities worldwide." This feat is even more astonishing considering the translations and commentaries were in English, which was a second language to the author.
- He founded the Bhaktivedanta Book Trust (BBT) in 1972, to produce his books. By 1976, over 55,000,000 literatures had been published in twenty-five languages and distributed in almost every country, making the BBT the world's largest publisher of Indian religious and philosophical texts.



One printing alone of "Bhagavadgītā As It Is" required seventy-six train cars to ship the paper needed to print it.

- He completed the entire Caitanyacaritāmṛta manuscript (seventeen volumes) in eighteen months.
- He ordered and supervised the BBT in publishing seventeen volumes of his books in only two months time, in 1974.
- Śrīla Prabhupāda increased the standard of Deity worship in all the temples in Vrndāvana, India when he installed the Deities in the Śrī Śrī Krsna-Balarama Mandir in ISKCON Vrndavana. Before this many of the Deities in the temples there were dressed in sheets or poor clothes, and even had bugs crawling on Them. They were often only offered Tulasī, water, and no food offerings. Now everything has changed because of Śrīla Prabhupāda, and numerous temples have beautiful worship for the Deities. Even the shop owners who cater to the needs of the growing number of devotees, many of whom are Western; have become rich because of Śrīla Prabhupāda. Many also have his portrait hanging in their shops.
- Prabhupāda also circled the globe fourteen times, visiting twenty-four countries, preaching, inspiring his followers and making countless public appearances before multitudes of people.

<u>—Śrī Nan</u>danandana Prabhu



Find of Tulasi Jaladana (14th May)

The festival of Tulasi Jaladana will end on 14th May. Devotees celebrated this festival for an entire month, offering water to a Vaishnavi for the whole of the month of Jyestha.

두 Candana Yatra Begins (15th May)

The Lord protected His devotees, the Pandavas, from Durvasa Muni by accepting a grain of rice which was stuck to the bottom of Draupadi's Aksaya patra. This act of mercy shown by the bhakta vatsala Lord, marks how Krishna keeps His promise that 'His devotee never perishes'. This day also marks the beginning of the Candana Yatra. Madhavendra Puri, a renowned and exalted Vaishnava, undertook an arduous journey to Puri, for collecting candana for his beloved deities, Madana Gopal. Having reached Remuna, he was spellbound by the nectarean amritakeli, offered to the deities of Gopinatha. Having the desire to taste the kheer at a time when it was being offered to the Lord, Madhavendra Puri became repentant and left. Their Lordships stole a bowl of sweet rice for His beloved devotee and instructed the pujari to find him and hand it over. Overwhelmed by the Lord's mercy and His love, expressed in this way, the exalted Vaishnava, offered the candana collected to the Gopinatha deities, on the instructions of Madana Gopal. This pastime is not just an epitome of loving exchanges between the Lord and His devotees but is also replete with innumerable lessons for a spiritualist. The service attitude, the love for one's deities along with the dedication to follow the Lord's instructions at all cost, lies at the centre of this lila. How humility is the real ornament of a devotee, can also be learnt from Madhavendra Puri's behaviour, who leaves Remuna in fear of being proclaimed as an exalted Vaishnava.

This glorious festival of anointing the body of the Lord with candana also begins from this day. The deities are decorated with candana, with special candana darshans on Ekadashi. Devotees perform service by making





🌳 तुलसी जलदान का समापन (14 मई)

तुलसी जलदान का त्योहार 14 मई को समाप्त होगा। पूरे एक महीने तक भक्तों ने इस त्योहार को मनाया, पूरे ज्येष्ठ के महीने में एक वैष्णवी को जल अर्पित किया गया।

뺶 चन्दन यात्रा का शुभारंभ (15 मई)

भगवान ने अपने भक्त, पांडवों की, दुर्वासा मुनि से चावल के एक दाने को, जो द्रौपदी के अक्षय पात्र के तल में अटका हुआ था, स्वीकार करके रक्षा की। भक्तवत्सल भगवान् द्वारा दिखाई गई दया के माध्यम से पता चलता है कि कैसे कृष्ण अपना वचन निभाते हैं कि उनके भक्त का कभी विनाश नहीं होता'। यह दिन चंदन यात्रा के आरम्भ का भी प्रतीक है। एक प्रसिद्ध एवं श्रेष्ठ वैष्णव माधवेंद्र पुरी जी ने अपने प्रिय विग्रह, मदन गोपाल जी हेतु चन्दन एकत्र करने को पुरी की एक कठिन यात्रा की। रेमुना पहुंचकर वह, गोपीनाथ जी के विग्रह को अर्पित की गई अमृतमयी खीर अमृतकेली से मंत्रमुग्ध हो गए। जब यह खीर भगवान् को अर्पित की जा रही थी, तब इसे चखने की इच्छा होने पर, माधवेन्द्र पूरी जी पश्चाताप करने लगे एवं वहाँ से चले गए। भगवान् ने अपने प्रेमी भक्त के लिए एक कटोरी खीर चुरा ली तथा पुजारी को उन्हें खोजने और खीर सौंपने का निर्देश दिया। इस प्रकार भगवान की कृपा एवं उनके प्रेम की अभिव्यक्ति से अभिभूत हो, उच्च वैष्णव माधवेन्द्र पुरी जी ने मदन गोपाल जी के निर्देश पर, एकत्रित किए गए चन्दन को गोपीनाथ जी के विग्रह को अर्पित कर दिया। यह लीला न केवल भगवान और उनके भक्तों के मध्य प्रेमपूर्ण आदान-प्रदान का एक प्रतीक है, बल्कि एक अध्यात्मवादी हेत्र असंख्य पाठों से परिपूर्ण भी है। सभी मुल्यों पर भगवान के निर्देशों का पालन करने के समर्पण के साथ ही अपने विग्रहों से प्रेम एवं सेवा की भावना, इस लीला के केंद्र में है। विनम्रता कैसे एक भक्त का वास्तविक आभूषण है, इसे माधवेंद्र पुरी जी के व्यवहार से भी सीखा जा सकता है, जो कि एक उच्च वैष्णव के रूप में उद्घोषित होने के भय से रेमुना छोड़ देते हैं। भगवान् के शरीर पर चन्दन से अभिषेक करने का यह गौरवशाली त्योहार भी इसी दिन से आरम्भ होता है। विग्रहों को एकादशी पर विशेष चन्दन दर्शन हेतू चन्दन से सजाया जाता है। भक्त अपने भगवान के लिए चन्दन का लेप बनाकर सेवा करते हैं। यह प्रेममयी सेवा माधवेंद्र पुरी द्वारा प्रदान की गई सेवा की स्मृति में की जाती है।

श्रीमति सीता देवी का प्राकट्य दिवस (21 मई) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

भगवान् राम की नित्य सहचरी श्रीमति सीता देवी, त्रेता युग में भगवान् की लीलाओ में सहयोग करने हेतु प्रकट हुईं। आदर्श पत्नी के रूप में, वे सतीत्व एवं सहनशीलता का प्रतीक हैं। भगवान् की पत्नी के रूप में वे मानव जीवन की पूर्णता सुनिश्चित करने हेतु आदर्श सामाजिक व्यवहार एवं आचरण का निर्देश करतीं हैं, यही भगवान् के चरण कमलों की प्राप्ति का आधार है। उनकी निर्बाध सेवा और भगवान् के प्रति समर्पण ऐसे सिद्धांत हैं जिन्हें हर अध्यात्मवादी अनुकरणीय पाता है। सीता महारानी का प्राकट्य दिवस कीर्तन एवं मंत्रोच्चार के मध्य अभिषेक के साथ मनाया जाएगा। भक्तगण भोज प्रसादम में भाग लेंगे एवं अपने प्रिय भगवान् राम की सेवा में युक्त श्री candana paste for Their Lordships. This loving service is in remembrance of the service provided by Madhavendra Puri.

Appearance Day of Srimati Sita Devi (21st May) (ISKCON, East of Kailash)

Sita Devi, the eternal consort of Lord Rama, appeared in Treta Yuga to contribute to the Lord's pastimes. As the ideal wife, she is the epitome of forbearance and chastity. As the Lord's wife she instructs in ideal social behaviour and conduct to ensure perfection of human life, that is the attainment of the lotus feet of the Lord. Her uninterrupted service and dedication to the Lord are principles every spiritualist finds worthy of emulation.

The appearance of Sita Devi will be celebrated with abhishek amidst kirtan and chanting. Devotees shall partake of a feast and revisit the pastimes of Sita Devi, in service to her beloved, Lord Rama.

r Narsimha Caturdasi (25th May)

The Lord incarnates to protect His devotees and perform acts of loving exchange with them. This He does with the purpose of attracting future generations to follow these exalted devotees to perfect their lives. One of the most exalted devotees of the Lord was Prahlada Maharaja. Son of the demon Hiranyakashipu, he belonged to a demoniac family, yet exhibited sublime qualities of a Vaishnava. Considered one of the twelve mahajanas mentioned in the scriptures, he is an authority on the explication of devotional service. The seventh canto of Srimad Bhagavatam describes the pastime of Lord Narsimhadeva, who appears to save this glorious personality from a demoniac father who was out to kill him. Fuelled by Brahma's boon, Hiranyakshipu's devilish atrocities had overwhelmed the whole world, including the demigods. While he was busy spreading terror in the three worlds, his five-year-old child, was spreading the message of the Lord, exemplifying the process of devotional service. The Lord, had at hand, the tough task of saving His devotee while honouring the boon granted by Brahma. By taking the form of half lion, half man, the

Lord exhibits how nothing is impossible for Him. He killed the demon Hiranyakashipu with His nails, at the threshold of his palace, establishing that no harm can come upon him, who surrenders to the Lord.

Narsimhadeva is the destroyer of all obstacles in devotional life. He grants shelter and protection to those who worship Him. His appearance will be celebrated with abhishek, kirtan and Ekadashi feast. Devotees will seek the lotus feet of the Lord, who looks foreboding for all others except His devotees. Embodying the antonymous features of preserver and destroyer in one, Lord Narsimhadeva is the only shelter for a spiritualist. Devotees will pray and spend their day in reading and hearing about the pastimes of Lord Narsimhadeva. सीता महारानी की लीलाओं का गुणगान करेंगे ।

🌳 नरसिंह चतुर्दशी (25 मई)

भगवान अपने भक्तों की रक्षा करने एवं उनके संग प्रेमपूर्ण आदान–प्रदान करने हेतू अवतरित होते हैं। ऐसा वह, भावी पीढियों को, इन उच्च भक्तों का अनुसरण कर अपने अपने जीवन को परिपूर्ण बनाने हेतू, आकर्षित करने के उद्देश्य से करते हैं। प्रह्लाद महाराज भगवान् के सर्वश्रेष्ठ भक्तों में से एक थे। राक्षस हिरण्यकश्यपु के पुत्र होने के नाते वे एक असूर परिवार के सदस्य थे, तथापि उन्होंने एक वैष्णव के उदात्त गुणों का प्रदर्शन किया। शास्त्रों में वर्णित बारह महाजनों में से एक के रूप में वे भक्ति को विस्तारित करने के अधिकारी हैं। श्रीमद् भागवतम् के सातवें स्कन्ध में भगवान् नरसिंह देव की लीलाओं का वर्णन है, जो इस गौरवशाली भक्त को एक असूर पिता से बचाने हेतु प्रकट होते हैं जो उन्हें मारना चाहता था। ब्रह्माजी के वरदान के कारण, हिरण्यकशिपु के आसूरी अत्याचारों ने देवताओं के साथ ही पूरे संसार को व्याकूल कर दिया था। जब वह तीनों लोकों में आतंक व्याप्त करने में व्यस्त था, उसका पाँच वर्ष का बालक, भगवान के संदेश का वितरण कर, भक्ति की विधि का अनूसरण कर रहा था। भगवान के हाथ में, ब्रह्माजी द्वारा दिए गए वरदान का सम्मान करते हुए अपने भक्त को बचाने का कठिन कार्य था। आधे सिंह और आधे मनुष्य का रूप धारण करके, भगवान् यह प्रतिपादित करते हैं कि कैसे उनके लिए कुछ भी असंभव नहीं है ? जो भी भगवान को समर्पित होता है कोई भी उसको क्षति नहीं पहुँचा सकता इसी तथ्य को स्थापित कर, भगवान ने हिरण्यकश्यपु को उसके महल की डेवढी पर, अपने नाखुनों से मार दिया।

भगवान् नरसिम्हदेव भक्ति में सभी बाधाओं का नाश करने वाले हैं। वे उन्हें आश्रय एवं सुरक्षा प्रदान करते हैं जो उन्हें पूजते हैं। उनका प्राकट्य, अभिषेक, कीर्तन एवं एकादशी भोज प्रसादम के संग मनाया जाएगा। भक्तगण उन भगवान् की शरण ग्रहण करेंगे, जो अपने भक्तों को छोड़कर अन्य सभी हेतु अनिष्ट का आभास कराने वाले हैं। उन्हीं में संरक्षक तथा विध्वंसक की विरोधाभासी विशेषताओं का संगठित स्वरुप के रूप में भगवान् नरसिम्हदेव, एक अध्यात्मवादी के लिए एकमात्र आश्रय हैं। भक्तगण भगवान् नरसिंहदेव से प्रार्थना करेंगे तथा उनकी लीलाओं के विषय में पढ़कर और सुनकर अपना दिन व्यतीत करेंगे।



PREACHINGCENTRESAROUNDDELHINCR

ISKCON, EAST OF KAILASH

Chirag Delhi-168, Sejwal Chowpal, Near Subzi Mandi Chirag Delhi, New Delhi-110017 Contact at: 9911717110, 9910381818, 9810484885 Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Okhla- Chhuria Muhalla Chowpal, Tehkhand Village Okhla, Phase – I, New Delhi-110020 Contact at: 8588991778, 9810016516, 9911613165, 9971755934 Program: Every Tuesday, Evening 7 PM to 9 PM

Kotla Mubarakpur- Shri Omkareshwar Shiv Mandir (Panghat wala), Gurudwara Road Opp. Sher Singh Bazar, Kotla Mubarakpur, New Delhi-110003 Contact at: 9350941626, 9818767673, 9311510999 Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Khanpur- B-192-B, Jawahar Park, Devli Road (Near Cambridge School), Khanpur, New Delhi-110062 Contact at: 9818700589, 9810203181, 9910636160 Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Hari Nagar, Ashram- 217, Saini Chaupal, Ashram Or 119, VIIT Computer Institute (Basement) Hari Nagar, Ashram, New Delhi-110014

Contact at: 9811281521, 011-26348371 Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

East Vinod Nagar-E – 322, Gali No. 8, East Vinod Nagar, Delhi-110091 Contact at: 9810114041, 9958680942 Program: Every Saturday, Evening 6.30 PM to 8.30 PM

Sriniwas Puri-Sanatan Dharam Durga Mandir 1st Floor, J J Colony near to Gurudwara, Sriniwas Puri, New Delhi-110065 Contact at: 9711120128, 9654537632

Program: Every Wednesday, Evening 7.30 PM to 9 PM

Sangam Vihar- E-6/102, Near Mahavir Vatika Sangam Vihar, New Delhi-110080, Contact at: 9212495394, 9810438870 Program: Every Sunday: Evening 5 PM to 8 PM Every Morning: 5 AM to 7 AM (Mantra Meditation) Every Evening: 7 PM to 9 PM (Aarti)

Boat Club-Rajpath Lawn near Central Secretariat Metro Station, New Delhi -110001, Every Wednesday 1PM -2 PM Contact : 9560291770, 9717647134

Panchsheel Enclave-ISKCON DIVE, A-1/7 Panchsheel Enclave, New Delhi-110017

Mayur Vihar-Srivas Angan Namahatta Center, 223-A Pkt. C ph.2 Mayur Vihar Every Saturday 5.30 - 7.30 PM

Contact ~ 9971999506 & 9717647134

Sarojini Nagar-Bharat Sewak Samaj Nursery School, Opp. Keshav Park, Sarojini Nagar Market, New Delhi – 110023 Every Monday 6 PM to 8 PM Contact : 9899694898, 9311694898

Lodi Road-Pocket – 2 Park, Lodhi Road Complex, New Delhi – 110003 Every Saturday 5 PM to 7 PM Contact : 9868236689, 8910894795

R.K.Puram-DMS Park (Opp. House No. 238), Sector - 7, R.K. Puram, New Delhi –22, Every Sunday 5 PM to 7 PM Contact: 9899179915, 860485243, 8447151399

Gole Market-Model Park, Sector – 4, DIZ Area, Gole Market, New Delhi – 110001 Every Saturday 5 PM to 7 PM Contact: 9560291770, 9717635883

Sant Kanwar Ram Mandir-6.15pm. Every MONDAY at Jal Vihar Road, Lajpat Nagar -2, New Delhi Contact- 9971397187.

East of Kailash-Katha - Amritam, 6.45 pm every Sunday, Venue- Prasadam Hall, ISKCON Temple, Contact: 99582 40699, 70113 26781.

East of Kailash-Yashoda Angan, 6.45pm every Sunday, Venue- JCC Room, Iskcon temple, East of Kailash, Contact:- 97110 06604

ISKCON, GURUGRAM

RADHA KRISHNA MADIR-New Colony, Gurugram, Every Saturday-6:30 to 8:30PM Melodious Kirtan, Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna Prasadam

Rail Vihar Community Center

Sec 47, Gurugram, Every Wednesday 7:00 to 9:30PM, Melodious Kirtan, Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna Prasadam

Katwaria Sarai - F 117, Basement, Near well No 1, Katwaria Sarai New Delhi 110016. Contact: +91 75033 48819, Youth program - Every Friday 7.30 PM. Family program - Every Saturday 7.30 PM

Ladosarai - F-6, Hare Krishna wali Gali, Near Panchayat Bhawan, Ladosarai, New Delhi-110030. Contact No.: 7011003974, 9888815430, 9717600814. Youth Program: Tuesday 07:30 PM; Congregation Program: Sunday- 5:00 PM

Mehrauli - Opposite Agarwal Dharmashala, Mehta chowk, Ward no 8, Mehrauli , New Delhi 110030. Contact: 9711862441, 9911399960, 9810565805. Congregation Program: Every Saturday, 4-6 PM; Youth Program: Every Sunday, 4-5PM

Chattarpur - Nitin Niwas H. No. 133, Chattarpur, Near Tyagi Chaupal, Near Axis Bank ATM, South Delhi, 110074, Contact: 9910290149 Program: Every Sunday 5.30PM To 7.30PM

Aya Nagar 1- Shiv Hansa Complex, Phase VI, G Block, Bandh Road, Opp Max Gain Shopping Centre, Aya Nagar. Contact: 9953891845,8860681843, Program: Every Sunday, 6 To 8 PM

Aya Nagar 2- Opp MCD School, Near Easy Day, Main Road, Aya Nagar, Delhi. Contact: 9899729858, 8368656274 Program: Every Sunday 4 To 6 PM

Malviya Nagar - 90/77, Basement, Behind Malviya Hospital, Malviya Nagar. Contact No. 8097263066, Program: Every Saturday 6PM Onwards

Khirki Extension - JG-35, Near Krishna Temple, Inside Left Street, Khirki Extension. Contact No. +91 98911 27996

Program: Every Sunday 5 PM Onwards

Kishan Garh - H.No.602, Ward No.3, Bhuiyan Chowk ,Gaushala Road Kishangarh,Vasant Kunj. Contact No- 8447358738 Every Sunday, 3:00 PM onwards

Sangam Vihar - D-170, Gali no. 4, Hare Krishna Centre Barsana Dham, Nearby Sona Sweets, Sangam Vihar, New Delhi-110080. Contact number:- 8851286364, 8447042470, Every Saturday; 6:00 PM-8:00PM; Every Friday and Sunday; 5:30-7:00AM onwards

East Of Kailash - 194 FF Amritpuri Garhi, East of Kailash, Near MCD School, New Delhi-110065. Contact: 9811347826, 9990503548. Youth Program:- Saturday 7:00 PM

Ber Sarai - House number -2, Near Government Dispensary, BerSarai, New Delhi, Contact - 8882347935,7065835531

Youth Program : Monday 7:00PM, Congregation Program : Saturday 4:00PM

Vasant Kunj - B100 (Basement), B Block, Mother Dairy, Vasant Kunj Enclave, New Delhi-110070. Contact No.: 8860246574, 8879005088. Every Sunday- 04:00 PM

Saket - C-109, Ground Floor, Near Mother Dairy, Paryavaran Complex, Saket, New Delhi-110030, Contact: 8287713680, 8130505488, 9667427986 Youth Program: Saturday 07:00 PM; Congregation Program: Friday 07:00 PM

Tigri Extension - C-10 Hare Krishna Centre, Maha Shiv Shakti Mandir, Tigri Extension, New Delhi-110080. Contact: 8851286364, 9810433117 Every Sunday, 11:00am - 1:00PM

Ghitorni - House no. 270, Balmiki choupal, Near Kali Mata Mandir, Ghitorni, New Delhi-1100030, Contact No. -9975756916,7065835531 Youth Program- Thursday-7:00PM

Sultanpur - 2nd floor, Waliya house, near Gurudwara, Sultanpur, Delhi 110030. Contact-9667478077. Youth program-Sunday 7:00 PM; Congregation Program-Friday 5:00 PM

Prahlad Pur - A-132, DDA Flats, Prahladpur New Delhi 110044 Contact: 9999464382, 9650543321, Every Sunday 04:00 PM

Paharganj - 1st Floor, Radha Krishna Mandir, Near Jain Mandir, Mantola, Paharganj, Contact No. 9818188182; 9810224106 Program: Every Saturday 7:00 To 8:00 PM

Nitya Seva

Nitya Seva-Niswartha Seva is a selfless monthly donation program for serving the Lord. It's purely voluntary, based on the desire, inclination and capability of the donor. The mode of donation could be through cash, cheque or ECS. One can choose to donate any amount as Lord Krishna sees our intent behind that donation. A formal receipt will be provided for each donation. For more details,

- Sri Sri Radha Parthasarathi Nitya Vigraha Sewa including bhoga offerings (fruits, vegetables, dry fruits, wheat flour, sugar, desi ghee, etc), deity dresses, deity jewellery and other paraphernalia, Please contact HG Janmashtami Chandra Prabhu @ 7011326781, 9999035120
- For ISKCON, East of Kailash, Please contact HG Baladeva Sakha Prabhu @ 9312069623
- For ISKCON, Punjabi Bagh, Please contact HG Premanjana Prabhu @ 9999197259.
- For ISKCON, Dwarka, Please contact HG Archit Prabhu @ 9891240059.
- For ISKCON, Gurugram, Please contact HG Narhari Prabhu @ 9034588881.
- For ISKCON, Faridabad, Please contact HG Ravi Shravan Prabhu @ 9999020059
- For ISKCON Panchsheel, Please contact HG Advaita Krishna Prabhu @ 9810630309/HG Rasraj Prabhu @ 9899922666



International Society for Krishna Consciousness

Founder Acharya - HDG A.C. Bhaktivedanta Swami Prabhupada ISKCON, East of Kailash - Hare Krishna Hill, East of Kailash, New Delhi-65 Web: www.iskcondelhi.com | Live Darshan: live.iskcondelhi.com Facebook: www.facebook.com/iskcondelhi, Contact: 011-41625804, 26235133

ISKCON, Punjabi Bagh - 41/77, Srila Prabhupada marg, West Punjabi Bagh, Delhi-26 Contact Person: HG Premanjana Prabhu (8802212763)

ISKCON, Dwaka - Plot No.-4, Sector-13, Dwarka, New Delhi-110075 Web: iskcondwarka.org, Facebook: www.facebook.com/iskcon.dwarka/ Contact: 9891240059, 8800223226

ISKCON, Gurugram - Sudarshan Dham, Main Sohna Road, Badshahpur, Gurugram Contact Person: HG Narhari Prabhu : 9034588881

ISKCON, Faridabad - Sri Sri Radha Govind Mandir, Gita Bhawan, C-Block, Ashoka Enclave-II, Sector-37, Faridabad, Phone : 0129-4145231 Email : gopisvardas@gmail.com

ISKCON, Bahadurgarh - Nahara-Nahari Road, Line Par Bahadurgarh, Haryana - 124507, Phone: +91-9250128799 Email: info@iskconbahadurgarh.com

ISKCON, Rohini - Plot No-3, Institutional Area, Main Road, Sector-25, Rohini New Delhi 110085 Phone: +91-9871276969 Email: iskcon.rohini@gmail.com ISKCON Gurugram (Badshahpur) - Sudarshan Dham, Gurgaon-Sohna Road, Badshahpur, Gurgaon (2.5kms from Vatika Business park), Gurugram, Haryana 122001 Phone: +91-9250128799, Email: info@iskconbahadurgarh.com

ISKCON Ghaziabad - 11, ISKCON CHOWK R, 35, Hare Krishna Marg, Block 11, Raj Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh 201002 Phone: 081309 92863, Email: iskcon.ghaziabad@pamho.net

ISKCON Chhattarpur - Village Near Shani Dham Mandir, Asola, Fatehpur Beri, New Delhi, Delhi 110074 Phone: 099537 40668

ISKCON Gurugram - ISKCON, Plot No 0, Near Delhi Public School, Sector-45, Gurugram, Haryana-122003 Phone: 09313905803, 08920451444, 09810070342 Email: iskcongurugram.sec45@gmail.com

Sri Sri Radha-Vallabh Temple - 2439, Chhipiwara, Chah Rahat, Jama Masjid Rd, Old Delhi, Delhi-110006 Phone: 098112 72600

Sri Sri Radha Govind Dev Temple - Opposite NTPC Office, A-5, Maharaja Agrasen Marg, Block A, Sector 33, Noida, Uttar Pradesh-201301 Phone: 095604 76959